A-0566

Total Pages : 04 **Roll No. ----------**

MPAMI-602

स्वरवाद्यः रागों और तालों का अध्ययन–III

प्रदर्शन कला (संगीत) में स्नातकोत्तर (MPAM)

परीक्षा 2025 (जून)

Time: 2:00 hrs Max. Marks: 70

Note: This paper is of Seventy (70) marks divided into two (02) Sections A and B. Attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein. Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर–पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

P.T.O.

Section-A/खण्ड–'क'

(Long-Answer-Type Questions)/ (दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

Note: Section 'A' contains Five (05) long-answer-type questions of Nineteen (19) marks each. Learners are required to answer any two (02) questions only.

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [2x19=38]

Q.1. Explain what is tantrakari in sitar and what is the special importance of tantrakari in singing ang.
सितार में तंत्रकारी क्या है, गायन अंग की तंत्रकारी का क्या विशेष महत्व है समझाइये।

Q.2. Write Masit Khani Gaat in Raga Bhimpalasi with four todas and aalap.
राग भीमपलासी में मसीत खानी गत को चार तोड़े और आलाप के साथ लिखिए।

Q.3. Write the layakari of Theka Dugun, Tigun, Chaigun and Aad while giving introduction to Shikhar Taal.
शिखर ताल का परिचय देते हुए ठेका दुगुन, तिगुन, चैगुन और आड़ की लयकारी लिखिए।

Q.4. Giving introduction to Raga Darbari Kanhada, write the lyrics of Theka, Dugun, Tigun, Aad and Viaad.
राग दरबारी कान्हाड़ा का परिचय देते हुए ठेका, दुगुन तिगुन, आड़, एंव विआड़ की लयकारी लिखिए।

Q.5. Explain in detail what is Aalap, Jod Jhala in playing.
वादन में आलाप, जोड़ झाला क्या है विस्तार पूर्वक समझाइये।

Section-B/खण्ड–'ख'

(Short-Answer-Type Questions)/ (लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

Note: Section 'B' contains Eight (08) short-answer-type questions of Eight (08) marks each. Learners are required to answer any Four (04) questions only.

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। [4x8=32]

Q.1. Write Raza Khani Gat in Raga Gurjarri Todi with four Todas and Aalap.
राग गुरर्जरी तोड़ी में रजा खानी गत को चार तोड़े और आलाप के साथ लिखिए।

P.T.O.

Q.2. Introducing Panchmaswari taal, write the layakari of Theka Dugun, Tigun, Chaigun and Aad.
पंचमसवारी ताल का परिचय देते हुए ठेका दुगुन, तिगुन, चैगुन और आड़ की लयकारी लिखिए।

Q.3. What is the importance of string instruments? Explain the use of jointed strings in these instruments.
तंत्रीय वाद्य का क्या महत्व है इन वाद्यों में जोड़ झाले के प्रयोग को समझाइये।

Q.4. Give complete introduction of Ragas Gandhari and Gurjarari Todi.
राग गांधारी और गुरर्जरी तोड़ी का पूर्ण परिचय दीजिए।

Q.5. Compare Raag MIANMALHAR and Raag Darbari Kanhra.
राग मियाँमल्हार और राग दरबारी कांहड़ा की तुलना कीजिए।

Q.6. Explain the difference between Raag Miyan's Todi and Gurjarri Todi by comparing it.
राग मियाँ की ताड़ी और गुरर्जरी तोड़ी में तुलना कर अंतर स्पष्ट कीजिए।

Q.7. Give complete introduction of Raga Bhimpalasi.
राग भीमपालासी का सम्पूर्ण परिचय दीजिए।

Q.8. Explain with an example what you understand by lyricism.
लयकारी से आप क्या समझते हैं उदाहरण स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

****